स्वर्ण दिल्ली

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 12, अंक 242 नई दिल्ली

सोमवार, 07 अक्टूबर 2024, पृष्ठः 8 मूल्यः 5 रुपये

देश की जनता ने केजरीवाल को नकारा, अब दिल्ली की बारी : रमेश बिधूड़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार को भारतीय जनता पार्टी ने एक विशाल जनसभा आयोजति की। इसमें दक्षिण दिल्ली के भाजपा के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा।

पूर्व रमेश बिधूड़ी ने हरियाणा वधिानसभा चुनाव में मतदान के बाद आए एग्जिट पोल के नतीजों को लेकर कहा कि केजरीवाल को हरियाणा और जम्मू की जनता ने नकार दयिा है, अब दिल्ली की जनता भी इनको नकारेगी। केजरीवाल की भ्रष्ट सरकार ने दिल्ली को लूटने का काम किया है। हरियाणा में सभी सीटों पर अरविंद केजरीवाल की जमानत जब्त हो जाएगी। जम्मू-कश्मीर में इनका कुछ पता नहीं चल रहा है। उत्तर प्रदेश में 365 सीटों पर जमानत जब्त हो गई थी और उत्तराखंड में 68 सीटों पर जमानत जब्त हो गई थी।

रमेश बिधूड़ी ने कहा कि अगर दिल्ली में आज मुझे बिजली चाहिए, तो ट्रांसफर लगाने के लिए जगह खरीद कर देनी पडेगी। इससे बड़ा ब्लंडर क्या हो सकता है। इसके बाद भी ऐसे लोग सत्ता में बने रहे। ये दिल्ली के लोगों के लिए शर्म की बात है। देश के लोग इनको नकार चुके हैं और अब दिल्ली के लोगों की बारी है।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति खालिस्तानी उग्रवादी को छोड़ने के लिए अमेरिका के गुरुद्वारे से कई मिलियन डॉलर ले आता है और राष्ट्रपति को चिट्ठी लिखकर 1996 के बम धमाके के खालिस्तानी आरोपी भुल्लर को छोड़ने का आग्रह करता है। उसके देशद्रोही और जन विरोधी होने का इससे बड़ा सबूत और क्या होगा? ऐसे शख्स को दिल्ली से हटाने के लिए हम सभी को कमर कसनी पड़ेगी।

बता दें कि कि इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बस मार्शलों की नियुक्ति को लेकर शनिवार को भाजपा और आप मंत्रियों के बीच खींचतान देखने को मिली थी।

केजरीवाल ने लोगों में बांटीं मुफ्त की छह-छह रेवड़ियां

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एक जनसभा में मुक्त की रेवड़ियां बांटने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जब आप की सरकार दिल्ली के लोगों को सुविधाएं देती है तो प्रधानमंत्री कहते हैं कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटी जा रही हैं, इसलिए आज वह मुफ्त की रेवड़ियों के पैकेट बनवाकर बांटने के लिए लाए हैं।

केजरीवाल ने आप द्वारा आयोजित 'जनता की अदालत' कार्यक्रम में कहा, "आज मैं मुफ्त की छह रेवड़ियां लेकर आया हूं" और अपने पास से रेवड़ियों का एक पैकेट निकालकर दिखाया।

उन्होंने कहा, "इस सभा से बाहर जाने पर लोगों को छह-छह रेवड़ियों का एक पैकेट मिलेगा। इन छह मुफ्त की रेवड़ियों में दिल्ली वालों के लिए निःशुल्क बिजली, पानी, बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थ यात्रा, महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा, सबके लिए फ्री और शानदार शिक्षा, और निःशुल्क एवं अच्छा उपचार शामिल है। सातवीं रेवड़ी के रूप में हर महिला को एक-एक हजार रुपये उनके बैंक खाते में मिलेंगे।"

केजरीवाल ने लोगों से कहा कि आज रेवड़ियों का जो पैकेट मिला है "यह प्रसाद है"। इसको अपने घर के मंदिर में रखने के बाद सबको बांट दें।

उन्होंने आरोप लगाया कि आज दिल्ली में जनतंत्र नहीं है यहां 'एलजी राज' है। उन्होंने कहा कि क्या भगत सिंह इसी दिन के लिए फांसी पर चढ़े थे कि अंग्रेज जाएंगे और दिल्ली में एक उपराज्यपाल का राज हो जाएगा।

केजरीवाल ने कहा, "मैं कसम खाकर जा रहा हूं, अपनी जिंदगी के अंदर आपको आपके पूरे अधिकार दिलाकर रहूंगा। दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाकर रहेंगे। दिल्ली को एलजी के राज से मुक्ति दिलाकर रहेंगे।"

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि शनिवार को उन्होंने देखा कि कैसे दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज, भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता के पैरों पर पड़े थे। उन्होंने कहा कि यह कोई छोटी बात नहीं है। यदि कोई मंत्री बन जाए तो उसमें अहंकार आ जाता है, लेकिन "हमारे मंत्री दिल्ली के लोगों के लिए" इनके पैरों में भी गिर जाते हैं।

केजरीवाल ने कहा, "सौरभ भारद्वाज भाजपा के पैरों में नहीं गिरा था। सौरभ भारद्वाज कोई एक शख्स नहीं है, बल्कि दिल्ली के दो करोड़ लोगों द्वारा चुना हुआ मंत्री है। इस देश का जनतंत्र भाजपा के पैरों में गिरकर कहा रहा था। बड़ी शर्म आई; 62 सीटों वाली सरकार, भाजपा के पैरों में गिरकर उनसे भीख मांग रही है कि हमारे बस मार्शलों को बचा लो।"

केजरीवाल ने कहा कि जब वह जेल गए तो दिल्ली की सड़कों की मरम्मत बंद हो गई, जगह-जगह सीवर की मेंटेनेंस बंद करवा दी, आठ साल से मिल रही मुफ्त की दवाइयां और जांच बंद करवा दी। उन्होंने कहा, "सत्ता के अहंकार में पाप नहीं किया जाना चाहिए। अगर दवाइयों की कमी की वजह से किसी की मौत हो जाएगी तो इससे दिल्ली के लोगों का ही नुकसान होगा।"

केजरीवाल ने कहा कि पूरी दिल्ली के अंदर सड़कों की मरम्मत का काम दोबारा शुरू हो गया है।

सम्पादक की कलम से

गुटेरेस ने चली इजराइल को फंसाने हेतु जहरीली चाल

दुनिया भर में इजराइल के साहस की चर्चायें जोरों पर है। पहले गाजा से हमास ने यहूदी राष्ट्र को अपने आतंक की चपेट में लिया। प्रतियोत्तर में की गई कार्यवाही पर संसार के अन्य मुस्लिम देशों के पाले हुए आतंकी संगठनों ने एक जुट होकर धमकाना शुरु कर दिया। धमकी के परिणामरहित होने पर ईरान के संरक्षण में विकसित हुए लेबनान से संचालित होने वाले हिजबुल्लाह ने भी इजराइल पर नया मोर्चा खोलकर आक्रमण शुरु कर दिया। ऐसे में दो मोर्चों पर इस्लामी जेहाद झेल रहे इस देश पर यमन के कट्टरपंथी गिरोह हूती ने भी मिसाइलें दागना शुरु कर दीं। इतना ही ईरान ने भी अपने पाले जल्लादों को हौसला देने के लिए स्वयं भी युध्द में भागीदारी दर्ज कर दी। चौतरफा घिर चुके इजराइल की आक्रामकता के आगे तार-तार होते जेहादी मंसूबों के बौखला कर गजवा-ए-दुनिया को संयुक्त राष्ट्र संघ के विवादास्पद महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी अपना खुला समर्थन दे दिया। आतंक को संरक्षित रखने की गरज से मानवता का राग अलापते हुए शान्ति सेना की तैनाती कट्टरपंथी बाहुल्य इलाकों में कर दी। इस पर इजराइल ने ब्लू लाइन के पास से शान्ति सेना हटाने निवेदन किया किन्तु गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कट्टरपंथियों का पक्ष लेते हुए कहा कि हम वहीं जमें रहेंगे, साथ ही साथ हम अपने रुख और शान्ति सैनिकों की सुरक्षा का हर घंटे आंकलन करेंगे। दुश्मन-ए-इंसान के रूप में पहचान बना चुके गुटेरेस ने अपनी पहली पारी कोरोना काल में चीन के पक्ष में खेली थी, जिसमें वायरस फैलाने के आरोपों में घिरे बुहान लैब को क्लीन चिट दी गई थी। चीन की करामात से लाशों में तब्दील हो रही जिन्दगियों की हकीकत को नजरंदाज करने वाला गुटेरेस चीनी षडयंत्र के साथ अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उडाते हुए खडा रहा। ड्रेगन का खूनी खेल चलता रहे और होते रहे भारत जैसे मानवतावादी राष्ट्रों पर प्रहार। वर्तमान में उसने एक और षडयंत्र को अंजाम देते हुए लेबनान के आतंकियों के ठिकानों की सुरक्षा हेतु शान्ति सेना के नाम पर ९०० भारतीय सैनिकों को तैनात कर दिया। इजराइल की तरह ही जेहाद के जख्म झेलने वाले भारत को उसके ही मित्र राष्ट्र के विरुध्द इस्तेमाल करके संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव ने अपनी जहरीली सोच को ज्यादा घातक ढंग से पेश किया। हमास के व्दारा इजराइल पर होने वाले आतंकी हमले पर लगभग खामोशी अख्तियार करने वाले गुटेरेस पर हमेशा से ही सुख, शान्ति और सौहार्य का खुलेआम कत्ल करने के आरोप लगते रहे हैं। भारतीय जवानों को आतंकियों की सुरक्षा में तैनात करके उसे रेखांकित करने की गरज से गुटेरेस ने भारतीय सैनिकों की कर्तव्यनिष्ठा की तारीफ भी की ताकि इजराइल की मिसाइलें उसके दोस्त भारत का खून बहाने में संकोच करें। यदि संकोच की दीवार टूट जाये तो फिर मित्रता के कांच में दरार भी पड जाये। अपनों की शहादत पर भारत के अन्दर खून पीकर बडे हो रहे जन्मजात मीर जाफरों की जमात के हाथ में देश की सरकार को गिराने का मुद्दा आ जाये।

सुषमा शर्मा

संशोधित बीजों पर नीति बनाना मुश्किल

हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जेनेटिकली मोडीफाइड- जीएम) सरसों की व्यावसायिक खेती के संबंध में एक विभाजित निर्णय दिया है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने अनुमोदन प्रक्रिया में खामियों तथा पर्यावरण और स्वास्थ्य प्रभावों पर पर्याप्त विचार की कमी का हवाला देते हुए जीएम सरसों की व्यावसायिक बिक्री और पर्यावरण रिलीज के खिलाफ फैसला सुनाया, तो न्यायमूर्ति करोल ने फील्ड ट्रायल जारी रखने का समर्थन किया, पर, यह जोर दिया कि सख्त सुरक्षा उपायों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। जीएम फसलों की व्यावसायिक खेती के संबंध में यह मामला (सुमन सहाय और अरुणा रोड्रिग्स और अन्य बनाम भारत सरकार एवं अन्य) 2004 से सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है, लेकिन जीएम फसलों के पैरोकार व्यावसायिक रिलीज के लिए अदालती मंजूरी अभी तक नहीं ले पाये। इस मामले से कई विवादास्पद मुद्दे जुड़े हैं, जिन पर अदालत निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पायी है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बीते 23 जुलाई को दिया गया विभाजित निर्णय एक बार फिर मामले की जटिलताओं को दर्शाता है।

न्यायालय ने सरकार को विभिन्न हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ परामर्श के बाद चार माह के भीतर जीएम पर नीति तैयार करने का निर्देश दिया है। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसने देश और दुनिया में बीते ढाई दशक से भी अधिक समय से भारी बहस पैदा की है, जहां विशेषज्ञ विभाजित हैं और लोग चिंतित हैं, जहां एक मजबूत नियामक तंत्र का अभाव है और इसके कारण न्यायालय जीएम के पक्ष में निर्णय देने के लिए तैयार नहीं है, जीएम फसलों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए सुरक्षित होने के भी सबूत नहीं हैं, कई देशों ने पहले ही प्रतिबंध लगाया हुआ है। ऐसे में बहुत कम संभावना है कि सरकार चार माह में राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य पूरा कर पायेगी। यह पहली बार नहीं है कि जीएम फसलों के लिए परामर्श तंत्र अपनाया जा रहा है।

यूपीए सरकार के दौरान बीटी बैंगन के वाणिज्यिक विमोचन के संबंध में तत्कालीन पर्यावरण एवं वन मंत्री जयराम रमेश के साथ सार्वजनिक सुनवाई हुई थी। सुनवाई के अंत में उन्होंने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए बीटी बैंगन के वाणिज्यिक रिलीज पर रोक लगा दी थी। न्यायालय ने सरकार को परामर्श आयोजित करने का निर्देश दिया है, इस संदर्भ में प्रश्न यह है कि इन परामर्शों की संरचना क्या हो सकती है। सर्वोच्च न्यायालय की तकनीकी विशेषज्ञ समिति ने कई विवादास्पद मुद्दों को लंबे समय से सूचीबद्ध किया है, जो परामर्श प्रक्रिया का आधार बन सकते हैं और निष्कर्ष पर पहुंचने में मदद कर सकते हैं।

सबसे पहला मुद्दा, जिस पर विशेषज्ञों में सहमति का अभाव है, जीएम फसलों की उच्च उत्पादकता का दावा है। सरकार और जीएम समर्थकों का तर्क है कि देश बड़ी मात्रा में खाद्य तेलों का आयात कर रहा है, जिनमें से अधिकांश जीएम तेल हैं। सरकार का दावा है कि डीएमएच 11 को अपनाने से आयात पर निर्भरता कम करने और अधिक उत्पादकता के कारण किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिल सकती है। लेकिन डीएमएच 11 के अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार भी इसकी उत्पादकता 2200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से अधिक नहीं है। देश में सरसों की कई अन्य संकर किस्मों की अपेक्षित उपज 2500 से 4000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक है।

भारतीय सरसों और रेपसीड संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ धीरज सिंह के एक शोध पत्र के अनुसार, राजस्थान में किसानों द्वारा उगायी गयीं किस्मों- आरएस 1706, आरएच 1424 और आरएच 725 की उत्पादकता (जैसा सरकार ने खुद घोषित किया है) क्रमशः 2613, 2604 और 2642 किलोग्राम है. विवाद का दूसरा मुद्दा बौद्धिक संपदा अधिकारों का है। किसान संगठनों को चिंता है कि एक बार अपनाने के बाद बीज पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों का एकाधिकार हो जायेगा और किसानों पर बीजों पर रॉयल्टी के रूप में बोझ बढ़ जायेगा। ये आशंकाएं बेवजह नहीं हैं। किसानों को असफल बीटी कपास के बीज के लिए बहुत अधिक कीमत (लगभग 8000 करोड़ रुपये) चुकानी पड़ी थी, क्योंकि उस बीज की कीमत का एक बड़ा हिस्सा विशेषता शुल्क था। डीएमएच 11 बीज को स्वदेशी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, पर उसमें भी बायर कंपनी की प्रौद्योगिकी के कुछ गुणों का उपयोग किया गया है, जिसके कारण बौद्धिक संपदा का विषय किसान हितों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

तीसरा महत्वपूर्ण मुद्दा अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर प्रभाव का है। जीएम समर्थक बिना किसी वैध तर्क के दावा करते हैं कि इससे आयातित खाद्य तेलों पर हमारी निर्भरता कम हो जायेगी, तथ्य यह है कि खाद्य फसलों में जीएम अपनाने के बाद हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भी अपना लाभ खो सकते हैं।

आज हम गैर-जीएम टैग के कारण लगभग 54 अरब डॉलर मूल्य के खाद्य उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। जब खाद्य पदार्थों में जीएम की अनुमति दे दी जायेगी, तो हम इस महत्वपूर्ण लाभ को खो देंगे, क्योंकि आयात करने वाले देश, जहां जीएम की अनुमति नहीं है, भारतीय खाद्य आयातों पर प्रतिबंध लगा सकते हैं। चौथा विवादास्पद मुद्दा जीएम बीजों के भारतीय खाद्य और आयुर्वेद पर प्रभाव के बारे में है।

जीएम फसलें खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को बदल देती हैं, जो हमारे भोजन का आवश्यक हिस्सा हैं, मसलन- सरसों का साग। भारतीय सरसों के आयुर्वेद में कई औषधीय उपयोग हैं, जिन्हें हम खो सकते हैं। पांचवां मुद्दा शाकनाशी सहिष्णुता है। लगभग 88 प्रतिशत जीएम फसलों को शाकनाशी (हरबिसाइड) सहनशील बनाया गया है।

इसका मतलब है, ये फसलें शाकनाशियों के उपयोग को बढ़ाती हैं, जिससे विषाक्तता बढ़ जाती है। लगभग सभी प्रमुख शाकनाशी कैंसरकारी साबित हुए हैं। यह खेद की बात है कि जीएम सरसों के शाकनाशी सहनशील होने के तथ्य को शुरू में छुपाया गया था। डीएमएच 11 के परीक्षण के दौरान इसकी शाकनाशी सहिष्णुता के बारे में कोई परीक्षण नहीं किया गया था। जब यह कृत्य उजागर हुआ, तो समिति ने हास्यास्पद शर्त लगा दी कि किसी भी स्थिति में किसान खरपतवारनाशकों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। विवादास्पद मुद्दों की सूची में कई अन्य बिंदु शामिल हैं, जैसे- बीज संप्रभुता, जैव विविधता, उपभोक्ता संरक्षण व विकल्पों, खाद्य सुरक्षा, खाद्य संप्रभुता और पोषण सुरक्षा पर प्रभाव, हितों के टकराव का मुद्दा, स्वतंत्र परीक्षण का अभाव और खरपतवारनाशकों के प्रति सहनशील जीएमओ के उपयोग से संबंधित सामाजिक-आर्थिक विचार और मधुमक्खियों पर इनके दुष्प्रभाव।

Invitin.g Shopperr's

Design Your Dream Attire

- Couture, Clothing & Designer Fabrics
- Rental Wedding, Lehengas, & Gowns
- Exclusive Nail Art
- Designer Mehandi
- Cosmetics

B-20/11, Double Storey, Ramesh Nagar, Delhi | Mob.: 9911294429, 011-45294429

SINCE 1975
KARAN'S
VAISHNO DHABA
MOUTH WATERING CUISINES
Lunch: 11:30am to 4.00pm * Dinner: 7.00pm to 11.00 pm
Food Without Onion & Garlics On Every Navratra
Note:
Please allow extra time for delivery on Suturday, Sunday and Holiday
Rates are subject to change without prior notice
Minimum delivery time 30 min. to 45min
All the items may not be available at all the time
Home delevery charged rs. 20. - within 1km
Home Delevery
8700965740,
9871558873,
9212598873
Spl. In Outdoor Catering

P
S.B. Malik (Jaggu Ji)
9311906362
011-41421363
rince Realtech & Developers
SALE
PURCHASE
RENTING
COLLABORATION
AGRICULTURE LAND
FARM LAND
RESIDENTIAL
COMMERCIAL
INDUSTRIAL
B-121AC, Mansarover Garden,
New Delhi-110015

We Positive Care
We Positive Care
Chitragupt Foundation
C186 A , 4th floor hari nagar
clock tower, Pincode 110064

Punnu Biriyani
M:- 093134 07108
punnubiriyani.com
Free Home Delivery
011-25119013,
41447298,
25446671
(Jhatka Used Here)
Note- For Franchise Inquiry, call- 9313407108
DDA LIG Market, Near Cambridge Foundation School,
Rajouri Garden, New Delhi, Delhi 110027
Takeout / Delivery Open Closes 23:30

श्री राधे
श्री गणेशाय: नम:
श्री राधिका
ज्योतिष
शोध संस्थान
ज्योतिष, वास्तु अंक विद्या, हस्त रेखा व लाल किताब,
पीली किताब द्वारा सभी समस्याओं का समाधान
शादी या सन्तान नही होना, नौकरी नही लगना, व्यापार नही चलना
शारीरिक परेशानी या गृह कलेश रहना व अजीब घटनाओं का घटना
आपकी कुण्डली में घटित मांगलिक दोष,
ग्रहण दोष व काल सर्प दोष व अन्य सभी
दोषों के समाधान के लिए सम्पर्क करें।
सभी प्रकार के वैदिक अनुष्ठानों के लिए सम्पर्क करें।
Pt. S.K. Sharma, Vedic Astrolger n Healer!

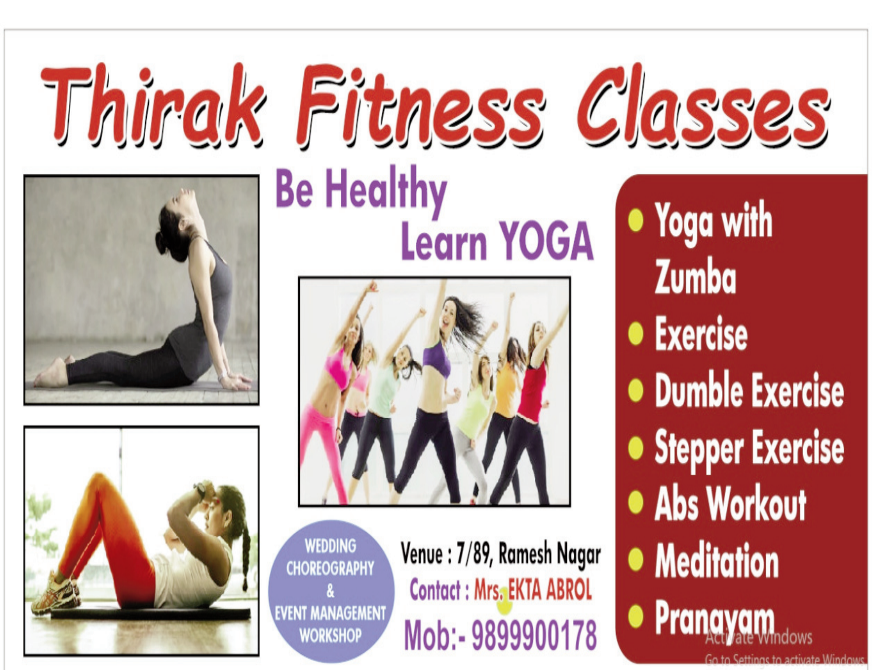
Thirak Fitness Classes
Be Healthy
Learn YOGA
Yoga with Zumba
Exercise
Dumble Exercise
Stepper Exercise
Abs Workout
Meditation
Pranayam
WEDDING CHOREOGRAPHY & EVENT MANAGEMENT WORKSHOP
Venue : 7/89, Ramesh Nagar
Contact : Mrs. EKTA ABROL
Mob:- 9899900178

फीजियोथिरेपी सेन्टर
आधुनिक मशीनों से युक्त व कुशल
डॉक्टर की देख रेख में चल रहा है।
समय: प्रात 9 बजे से 12 बजे तक एवं
सायं 5 बजे से 7 बजे तक
रविवार अवकाश
कीर्ति नगर श्री सनातन धर्म सभा (पंजी.)
गीता भवन, कीर्ति नगर, नई दिल्ली- 110015

भाजपा के डबल इंजन का मतलब महंगाई और भ्रष्टाचार है: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को भाजपा पर कटाक्ष किया। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा की 'डबल इंजन सरकार' का नतीजा केवल 'महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार' है।

अरविंद केजरीवाल ने 'आप की जनता की अदालत' में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, "हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भाजपा के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार खत्म होने वाली है। डबल इंजन का सिद्धांत पूरे देश में विफल हो गया है। एक इंजन जून में टूट गया था, जब उन्हें सिर्फ 240 सीटें मिलीं थीं। अब दूसरा इंजन हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में फेल हो जाएगा।" उन्होंने आगे कहा कि लोगों को अब यह एहसास हो गया है कि 'डबल इंजन' मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार का पर्याय है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, "जैसे-जैसे दिल्ली चुनाव नजदीक आएंगे, वे एक बार फिर डबल इंजन वाली सरकार की मांग करेंगे। लेकिन आपको उनसे पूछना चाहिए कि क्या हरियाणा में डबल इंजन वाली सरकार ने कुछ हासिल किया? उन्होंने 10 साल तक शासन किया, फिर भी मैंने अपने अभियान के दौरान देखा कि लोग भाजपा नेताओं को अपने गांवों में प्रवेश तक नहीं करने देना चाहते हैं।"

केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश में भाजपा के शासन की आलोचना करते हुए कहा, "उत्तर प्रदेश में सात साल से उनकी डबल इंजन वाली सरकार है, फिर भी वे हाल के चुनावों में केवल आधी सीटें ही जीत पाए हैं। मणिपुर उनके शासन में दो साल से जल रहा है। देश इस डबल इंजन प्रणाली से थक चुका है, इससे केवल लूट और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

भाजपा के चुनावी वादों पर सीधा प्रहार करते हुए केजरीवाल ने मतदाताओं से पार्टी के दावों को चुनौती देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "वे आपके घर आएंगे और वादा करेंगे कि वे वही सब करेंगे जो मैंने किया। लेकिन अगर ऐसा है, तो हमें उनकी क्या जरूरत है? उन्होंने 22 राज्यों पर शासन किया है, फिर भी हमने दिल्ली में शिक्षा को बदल दिया है। उनसे पूछिए, उन्होंने किस राज्य में स्कूलों में सुधार किया है? गुजरात में, जहां भाजपा एक दशक से अधिक समय से सत्ता में है, एक भी स्कूल अच्छी स्थिति में नहीं है।"

दिल्ली में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को उजागर करते हुए, केजरीवाल ने इसकी तुलना 1990 के दशक में मुंबई (तब बम्बई) की अराजकता से की। उन्होंने कहा, "दिल्ली में अपराध लगातार बढ़ता जा रहा है। लोग अपने घरों से बाहर निकलने से डरते हैं। आम आदमी के लिए इस शहर में सुरक्षित रहना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।"

दिल्ली हाईकोर्ट उमर खालिद की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय सोमवार को जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा। छात्र नेता 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से संबंधित "बड़ी साजिश" मामले में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत सितंबर 2020 से सलाखों में बंद है।

दिल्ली उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शलिंदर कौर की पीठ 7 अक्टूबर को मामले की सुनवाई करेगी। इस साल जुलाई में जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस गिरीश कठपालिया की पीठ ने नोटिस जारी कर दिल्ली पुलिस से खालिद की जमानत याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा था।

न्यायमूर्ति कैत की मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के साथ ही मामले को न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शालिंदर कौर की पीठ के समक्ष पुनः अधिसूचित किया गया है।

इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस अमित शर्मा ने खालिद की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इसके बाद जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले को 24 जुलाई को किसी दूसरी बेंच के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

दिल्ली अदालत ने 28 मई को खालिद की जमानत याचिका खारिज कर दी। याचिका में मुकदमे की देरी और अन्य सह-आरोपियों के साथ समानता का हवाला दिया गया था, जिन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

इससे पहले, अप्रैल 2022 में एक ट्रायल कोर्ट ने खालिद की पहली जमानत याचिका खारिज कर दी थी और बाद में दिल्ली हाईकोर्ट ने भी उनकी अपील खारिज कर दी थी।

इस साल फरवरी में, खालिद ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी जमानत याचिका वापस ले ली। उन्होंने कहा कि हालात बदल गए हैं, इसलिए उन्हें निचली अदालत में फिर से जमानत के लिए आवेदन करने की इजाजत दी जाए।

सितंबर 2020 से हिरासत में चल रहे खालिद पर कड़े आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एक महीने तक चीनी नहीं खाएंगे आप, तो हैरान कर देंगे शरीर में होने वाले 5 बदलाव

हम में से ज्यादातर लोग मीठा खाना खूब पसंद करते हैं। चाहे वो चाय में चीनी हो, या फिर मिठाई, सॉफ्ट ड्रिंक्स या चॉकलेट के तौर पर। ऐसे में, क्या आपको पता है कि ये मीठा आपको कई गंभीर बीमारियों का शिकार बना सकता है? जी हां, ज्यादा मीठा खाने के नुकसान तो आपने जरूर सुने होंगे, लेकिन इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि अगर आप एक महीने के लिए चीनी का सेवन पूरी तरह से बंद कर देते हैं तो इससे आपका शरीर किस तरह से बदल सकता है? आइए जानें।

कंट्रोल में रहेगा ब्लड शुगर?

क्या आप जानते हैं कि एक महीने तक चीनी का सेवन बंद करने से आपकी सेहत में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है? खासकर अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं या फिर आपका ब्लड शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है। दरअसल, लगातार चीनी का सेवन करने से हमारे शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ जाता है, जिसके कारण ब्लड शुगर का स्तर बढ़ता है। ऐसे में, एक महीने के लिए चीनी का सेवन बंद कर देने से ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है और टाइप 2 डायबिटीज का खतरा भी कम हो सकता है।

मोटापे से मिलेगा छुटकारा?

शुगरी फूड्स में कैलोरी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, लेकिन इनमें आपकी सेहत के लिए जरूरी पोषक तत्व जैसे प्रोटीन और फाइबर बहुत कम होते हैं। ऐसे में, जब आप अपनी डाइट में मीठा ज्यादा रखते हैं तो शरीर को इन चीजों से मिलने वाली कैलोरीज को बर्न करने का समय नहीं मिलता है जिससे यह फैट के रूप में जमा हो जाती हैं और आप मोटापे का शिकार हो जाते हैं। इस तरह अगर आप एक महीने के लिए मीठा खाना छोड़ देते हैं, तो एकदम स्लिम ट्रिम लुक भले ही न मिले लेकिन इस आदत को लगातार अपनाए रखने पर आपको वेट लॉस में काफी फायदा जरूर मिल सकता है।

चमक जाएंगे दांत और मसूड़े?

जब आप ज्यादा मीठा खाते हैं तो इससे मुंह में मौजूद बैक्टीरिया चीनी को तोड़कर एसिड बनाते हैं। यह एसिड हमारे दांतों के इनेमल को कमजोर कर देता है और दांतों में छेद यानी कैविटी होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, चीनी मसूड़ों की बीमारियों का भी कारण बन सकती है। ऐसे में, अगर आप एक महीने के लिए इसका सेवन बिल्कुल बंद कर देते हैं तो इससे दांतों और मसूड़ों को स्वस्थ रखने में काफी मदद मिल सकती है। ध्यान रहे, इसके नतीजे आपको भले ही 30 दिनों में दिखाई न दें, लेकिन कुछ वक्त तक चीनी से परहेज रखने के बाद आपको दांतों और मसूड़ों की सेहत में काफी सुधार देखने को मिल सकता है।

कोलेस्ट्रॉल रहेगा कंट्रोल?

ज्यादा मीठा खाने से हमारे शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है। यह धमनियों की दीवारों पर चिपक जाता है और उन्हें संकरा कर देता है। इससे रक्त का प्रवाह धीमा हो जाता है और दिल को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। नतीजन, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में, अगर आप एक महीने के लिए चीनी खाना छोड़ देते हैं तो इससे कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल करने में काफी मदद मिल सकती है।

शुगर क्रेविंग पर हो जाएगा काबू?

कई लोगों को मीठा खाने की लत जैसी होती है। वे मीठी चीजें देखकर खुद को रोक नहीं पाते। यह मीठी चीजों तो लेकर एक तरह का आकर्षण है जो उन्हें बार-बार मीठा खाने के लिए मजबूर करता है। यह आदत न सिर्फ मोटापे का कारण बनती है बल्कि कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को भी जन्म दे सकती है। ऐसे में, अगर आप एक महीने तक चीनी से परहेज कर लेते हैं तो सेहत को बेहतर बनाने के साथ-साथ आप इस आदत पर आसानी से काबू भी पा सकते हैं।

बालों को जड़ों से मजबूत और घना बनाएंगे ये अचूक उपाय, नहीं पड़ेगी किसी ट्रीटमेंट की जरूरत

काले, घने और शाइनी बाल हर लड़की का सपना होते हैं, जिसे संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, स्ट्रेस फ्री लाइफ स्टाइल और सही हाइड्रेशन से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसलिए बालों के सम्पूर्ण विकास के लिए सम्पूर्ण पोषण की आवश्यकता होती है। जिसके लिए कुछ बेहद आसान और प्रभावी उपायों को अपनाया जा सकता है। यहां इसी विषय पर जानकारी दी गई है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

मजबूत बालों के लिए उपाय

संतुलित आहार- बालों को प्रोटीन, बायोटिन, विटामिन ए, सी, डी और ओमेगा-3 फैटी एसिड की जरूरत होती है। दालें, नट्स, मछली, पालक और ताजे फल जैसे आहार बालों की जड़ों को पोषण देते हैं। इसलिए अपनी डेली डाइट में इन्हें जरूर शामिल करें।

नियमित मसाज- सप्ताह में दो बार गुनगुने नारियल, जैतून या बादाम के तेल से मालिश करने से स्कैल्प में रक्त संचार बढ़ता है और बालों की जड़ों को मजबूती मिलती है। इससे बालों का टूटना कम होता है और वे घने होते हैं।

एलोवेरा जेल का उपयोग- एलोवेरा जेल को सीधे बालों की जड़ों पर लगाने से बालों में नमी बनी रहती है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों को मजबूत करते हैं और बालों का झड़ना रोकते हैं।

आंवला का इस्तेमाल- आंवला विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इसका सेवन करने या तेल के रूप में इस्तेमाल करने से बालों की ग्रोथ बढ़ती है और जड़ें मजबूत होती हैं।

अंडे का हेयर मास्क- अंडे में मौजूद प्रोटीन और बायोटिन बालों को पोषण देते हैं। अंडे का मास्क हफ्ते में एक बार बालों पर लगाने से बालों की चमक और मजबूती बढ़ती है।

प्याज का रस- प्याज में सल्फर होता है, जो बालों की जड़ों को मजबूती देता है। इसलिए प्याज का रस लगाने से बालों की ग्रोथ अच्छी होती है और वे घने भी होते हैं।

खुद को हाइड्रेट रखें- शरीर को हाइड्रेटेड रखना बालों की सेहत के लिए आवश्यक है।इससे बालों में नमी बनी रहती है और वे मजबूत होते हैं।

योग और व्यायाम- नियमित योग और व्यायाम से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन की प्रक्रिया में सुधार होता है, जो बालों की जड़ों तक पोषक तत्वों को पहुंचाकर उन्हें मजबूत बनाता है।

मेथी का मास्क- मेथी के बीजों को पानी में भिगोकर पेस्ट बनाकर बालों पर लगाने से बालों की जड़ों को पोषण मिलता है और वे घने और मजबूत बनते हैं।

BDS since 1975
MATTRESS HI MATTRESS
Hush,
Serta,
Kingkoil,
Simmons
Nilkamal,
Therapedic

BDS
Ms. Parvinder Kaur
9560509507
Visit: 79/3, W.H.S. Kirti Nagar, Delhi - 110015

भारतीय टीम ने सेमीफाइनल की उम्मीदों को रखा जिंदा, पाकिस्तान को 6 विकेट से रौंदा

नई दिल्ली। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 7वें मुकाबले में रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम को 06 विकेट से हराया। इसके साथ ही भारतीय महिलाओं ने सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा है। टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों हार का समाना करना पड़ा था।

मुकाबले की बात करें तो पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पहले बैटिंग करने उतरी पाकिस्तान टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 105 रन बनाए। निदा डार ने सबसे ज्यादा 28 रन की पारी खेली। जवाब में भारतीय टीम ने 18.5 ओवर में टारगेट को चेज कर लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। पहले ही ओवर में रेणुका सिंह ठाकुर ने गुल फिरोजा को बोल्ड किया। गुल फिरोजा का खाता तक नहीं खुला। 25 के स्कोर पर पाकिस्तान को दूसरा झटका लगा। सिदार अमीन ने 11 गेंदें पर 8 रन बनाए।

ओमाइमा सोहेल ने 3, मुनीबा अली ने 17, आलिया रियाज ने 4, कप्तान फातिमा सना ने 13, तूबा हसन ने कोई रन नहीं बनाया। अरूब शाह 14 और नाश्रा संधू 6 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत की ओर से अरुंधति रेड्डी ने 3 विकेट चटकाए। श्रेयांका पाटिल ने 2 शिकार किए। रेणुका सिंह, दीप्ति शर्मा और आशा शोभाना ने 1-1 विकेट लिया।

106 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत औसत रही। 18 के स्कोर पर टीम को पहला झटका लगा। स्मृति मंधाना ने 16 गेंदों पर 7 रन बनाए। इसके बाद शेफाली वर्मा ने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 43 रन जोड़े। 12वें ओवर में शेफाली वर्मा कैच आउट हुईं। उन्होंने 35 गेंदों पर 32 रन की पारी खेली।

जेमिमा रोड्रिग्स ने 28 गेंदों पर 23 रन बनाए। वहीं ऋचा घोष गोल्डन डक का शिकार हुईं। कप्तान हरमनप्रीत कौर 24 गेंदों पर 29 रन बनाकर रिटायर हर्ट हुईं। दीप्ति शर्मा 7 और सजना 4 रन बनाकर नाबाद रहीं। फातिमा सना ने 2 शिकार किए। उनके अलावा सादिया इकबाल और ओमाइमा सोहेल ने 1-1 सफलता प्राप्त की।

समीक्षा के बाद मणिपाल टाइगर्स और कोणार्क सूर्यास ओडिशा ने अंक बांटे

जोधपुर। मणिपाल टाइगर्स और कोणार्क सूर्यास ओडिशा को रविवार को यहां लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के तीसरे सत्र के मैच के दौरान स्कोरिंग में विसंगति पाये जाने के बाद एक एक अंक दिया गया।

एलएलसी की शीर्ष परिषद और टूर्नामेंट की तकनीकी समिति (ईटीसी) द्वारा समीक्षा के बाद यह पुष्टि की गई कि मणिपाल टाइगर्स का स्कोर आठ विकेट पर 104 रन होना चाहिए था, ना कि आठ विकेट पर 102 रन जो 20 सितंबर को यहां बरकतुल्लाह स्टेडियम में आयोजित मैच में दर्ज किया गया था।

मणिपाल टाइगर्स ने मैच के दौरान इसकी शिकायत थी लेकिन गलती का समय पर पता नहीं लगाया जा सका और इसलिए मैच के दौरान इसे ठीक नहीं किया गया जिसके परिणामस्वरूप गलत स्कोर हुआ।

महान क्रिकेटर रवि शास्त्री और सैयद किरमानी की शीर्ष परिषद ने एड्रियन ग्रिफिथ की अगुआई में ईटीसी के फैसले को बरकरार रखा और फैसला किया कि परिणाम वही रहेगा, लेकिन दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा।

शास्त्री ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''यह एक वास्तविक और स्वीकार्य गलती थी जिसे खेल के दौरान चौथे अंपायर के संज्ञान में लाया गया था और फिर भी स्कोरर ने इसके बारे में कुछ नहीं किया। नियम चाहे जो भी हों, इस मामले में अंक साझा किए जाने चाहिए।''

लीग के आयुक्त शास्त्री ने कहा, ''स्कोरर की गलती के लिए टीम के अंक नहीं काटे जा सकते। हालांकि नियमों के अनुसार अंपायर के मैदान से चले जाने के बाद परिणाम नहीं बदला जा सकता है, लेकिन वर्तमान मामला एक अपवाद का मामला है और ईटीसी के फैसले को लागू किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में इसका दोहराव नहीं हो।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पाकिस्तान की प्लेइंग-11 का एलान, शाहीन-नसीम की टीम में वापसी

कराची। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग-11 की घोषणा कर दी है। दोनों टीमें सोमवार से मुल्तान में भिड़ेंगी। पाकिस्तान ने अपनी प्लेइंग-11 में तीन तेज गेंदबाजों को रखा है। इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान की टीम में तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और नसीम शाह की वापसी हुई है। ये दोनों बांग्लादेश के खिलाफ पिछली सीरीज के दूसरे टेस्ट में नहीं खेले थे। इंग्लैंड के खिलाफ पहला दो टेस्ट मुल्तान में और तीसरा मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा। पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ अपने घर में हार का सामना करना पड़ा था। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को क्लीन स्वीप किया था। इंग्लैंड ने जब पिछली बार पाकिस्तान का दौरा किया था तो उसने मेजबान को 3-0 से क्लीन स्वीप किया था। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से दोनों ही टीमों के लिए यह सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है।

शान मसूद टेस्ट में टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। पाकिस्तान ने पहले टेस्ट में तीन तेज गेंदबाजों और अबरार अहमद को लाइनअप में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर के रूप में उतारने का फैसला किया है। सलमान अली आगा को जरूरत पड़ने पर पार्ट टाइम ऑफ स्पिनर के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने पहले टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेजबान टीम के लिए लाइन-अप की पुष्टि की। शाहीन और नसीम शाह के अलावा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर आमिर जमाल की प्लेइंग-11 में वापसी हुई है। आमिर जमाल चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ पूरी रेड-बॉल सीरीज में खेलने से चूक गए थे।

पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन: सलीम अयूब, अब्दुल्ला शफीक, शान मसूद, बाबर आजम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान, सलमान अली आगा, आमिर जमाल, शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह, अबरार अहमद।

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन: ओली पोप (कप्तान), जैक क्राउली, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जैक लीच, शोएब बशीर।

सूर्यकुमार यादव ने कुलदीप यादव को बताया 'नौटंकीबाज', दुबे ने मिस्टर 360 डिग्री को कहा 'धोखेबाज खिलाड़ी'

नई दिल्ली। भारतीय टी20I कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कुलदीप यादव को टीम का सबसे बड़ा नौटंकीबाज खिलाड़ी बताया है। वहीं, शिवम दुबे ने सूर्यकुमार यादव को सबसे बड़ा धोखेबाज खिलाड़ी करार दिया है। इसके पीछे का कारण भी दोनों खिलाड़ियों ने बताया है। वहीं, रोहित शर्मा को टीम का दबंग खिलाड़ी बताया।

दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप 2024 के विजेता खिलाड़ी कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह द ग्रेट कपिल शर्मा शो में शामिल हुए। इस दौरान कॉमेडियन कपिल शर्मा ने सभी से मजेदार बातचीत की। इस दौरान शो की जज अर्चना पूरन सिंह ने कुछ फिल्मों के टाइटल बोले और टीम में उस टाइटल को मैच करने वाले खिलाड़ी का नाम पूछा।

अर्चना ने फिल्म नौटंकीबाज का नाम लिया और सूर्या से पूछा कि भारतीय टीम में ऐसा कौन सा खिलाड़ी है जो नौटंकीबाज है। इस पर सूर्यकुमार यादव ने कुलदीप यादव का नाम लिया। सूर्यकुमार यादव ने कहा, कुलदीप सबसे ज्यादा नौटंकीबाज है। धूप बहुत है भइया टमाटर जैसे लाल हो गए, रोहित भाई धूप तेज है बैटिंग ले लो। इस पर रोहित ने भी हामी भरी।

वहीं, अर्चना ने फिल्म ब्लफ मास्टर का नाम लिया और शिवम दुबे से पूछा कि टीम में ऐसा कौन खिलाड़ी है जो सबसे ज्यादा ब्लफ करता है। इस पर शिवम दुबे ने सूर्या की तरफ इशारा किया। शिवम दुबे ने सूर्यकुमार यादव को 'धोखेबाज खिलाड़ी' बताया। शिवम ने कहा, यह मिस्टर 360 डिग्री हैं, गेंदबाजों को हमेशा धोखा देते हैं, ये हमेशा ऐसा शॉट खेलते हैं जिससे सभी हैरान रह जाते हैं।

खेसारीलाल यादव की फिल्म 'राजाराम' का टीज़र रिलीज

टेक्नीशियन फिल्म फैक्ट्री के बैनर तले बनी खेसारीलाल यादव की बहुप्रतीक्षित फिल्म राजाराम का टीजर रिलीज होने के साथ हीं यूट्यूब पर ट्रेंड करने लगा है। फिल्म राजाराम में खेसारीलाल यादव का किरदार काफी अलग और चौंकाने वाला है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है ।फिल्म का टीजर सारेगामा हम भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है और इसे छह लाख से भी अधिक लोगों ने देख लिया है।

खेसारीलाल यादव ने कहा, 'फिल्म राजाराम मेरे दिल के बेहद करीब है, क्योंकि इसमें मैंने एक ऐसा किरदार निभाया है, जो पहले कभी नहीं किया। टीजर में जो देखा गया है, वह सिर्फ एक झलक है। पूरी फिल्म में दर्शकों को कई अप्रत्याशित मोड़ और भावनात्मक क्षण देखने को मिलेंगे। मुझे यकीन है कि यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा के लिए एक नया मील का पत्थर साबित होगी ।हमने फिल्म की कहानी और तकनीकी पक्ष पर खासा ध्यान दिया है, जिससे इसे दर्शकों तक एक नई और अनूठी शैली में पेश किया जा सके। मैं अपने फैंस का आभारी हूं, जो हमेशा मेरे काम को सराहते हैं और मुझे उम्मीद है कि 'राजाराम' भी उन्हें उतना ही पसंद आएगी, जितनी हमें इसे बनाने में मजा आया।

निर्माता-निर्देशक पराग पाटिल ने कहा, फिल्म राजाराम ,भोजपुरी सिनेमा के लिए एक अनूठी पेशकश है। 'राजाराम' में हमने एक ऐसा कॉन्सेप्ट तैयार किया है, जो अब तक भोजपुरी सिनेमा में नहीं देखा गया ।टीजर सिर्फ एक झलक है, असली सरप्राइज तो फिल्म में है। खेसारीलाल यादव के साथ काम करना हमेशा शानदार अनुभव रहता है, और इस बार उनका किरदार दर्शकों को निश्चित रूप से चौंकाने वाला है ।फिल्म की तकनीकी गुणवत्ता, निर्देशन और कहानी पर हमने विशेष ध्यान दिया है, जिससे इसे न केवल भोजपुरिया दर्शकों बल्कि हर सिनेमा प्रेमी के लिए खास बनाया जा सके। फिल्म राजाराम में खेसारीलाल यादव के साथ आर्य बब्बर, राहुल शर्मा, सोनिका गौड़ा, सपना चौहान,के के गोस्वामी, विनोद मिश्रा,संजय महानंद,सुबोध सेठ,वीणा पाण्डेय, निशा तिवारी,अमित शुक्ला, और संजय पांडे मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फ़ल्मि के निर्माता पराग पाटिल और आर आर प्रिंस है ।फिल्म की शूटिंग अयोध्या के वास्तविक स्थानों पर की गई है। फिल्म के लेखक अरविंद तिवारी हैं, जबकि डीओपी आर.आर. प्रिंस और म्यूजिक कृष्णा बेदर्दी का है ।इस फ़ल्मि के सभी गाने सारेगामा हम भोजपुरी के यूट्यूब चैनल के साथ-साथ सभी लीडिंग म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होंगे।

एयरपोर्ट पर परेशान हुईं तिलोत्तमा, उड़ान को हुई करीब 9 घंटे की देरी, एयर इंडिया पर लगाए आरोप

अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम ने रविवार को एयर इंडिया पर विमान को बिना बताए देर करने का आरोप लगाया है। तिलोत्तमा शोम ने कहा, मुंबई से लंदन जाने वाले विमान की उड़ान को करीब 9 घंटे टाल दिया गया। साथ ही इस देरी की कोई पूर्व सूचना भी नहीं दी गई। इस पर एयर लाइन का कहना है कि हमारी ओर से रजिस्टर फोन नंबर पर संदेश भेजा गया था, असुविधा के लिए हमें खेद है। तिलोत्तमा शोम ने कहा कि एयरलाइन ने इस मामले पर कोई जवाब नहीं दिया। साथ ही इसका कोई उपाय भी नहीं निकाला। शोम ने ट्विटर पर कहा, एयर इंडिया उड़ान सुबह 5.15 बजे की उड़ान को करीब 9 घंटे के लिए लिए रोक दिया गया। देरी के बारे में यात्रियों को सूचित करने के लिए एयरलाइन की ओर से कोई संदेश या कॉल नहीं किया गया। एयर इंडिया से संपर्क करने पर, वे केवल इतना कह सकते हैं कि हमें असुविधा के लिए खेद है। उन्होंने कहा, 'एयर इंडिया आप अपने ग्राहकों को यह क्यों नहीं बताते कि आपकी उड़ान में 8.5 घंटे की देरी हो रही है। कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई'। अभिनेत्री ने अपने ट्वीट पर कहा, इस दौरान एक मरीज भी एयरपोर्ट पर मौजूद है, जिसे इसी विमान से लंदन जाना है। अपने इलाज के लिए। वह सवा पांच बजे जाने वाली उड़ान के लिए रात 2 बजे ही एयरपोर्ट पर आ गई थी। एयर इंडिया की ओर से जवाब में कहा गया, असुविधा को कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

स्वामिधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सुषमा शर्मा द्वारा दिव्य ऑफसेट प्रिंटर्स, बी-1422 दुर्गा मंदिर, न्यू अशोक नगर, नई दिल्ली-110096 से मुद्रित कराकर बी-5/184, रोहिणी सेक्टर-11 नई दिल्ली से प्रकाशित।
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के उत्तरदायी। RNI No. DELHIN/2013/48040, संपर्क 8826286868